भारतीय कला में महिला चित्रकारों का आधुनिक रूपान्तरण

डॉ0 सुनीता शर्मा,

असिस्टेंट प्रोफेसर–ललित कला विभाग,
डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय,लखनऊ

आधुनिक भारत की चित्रकला में महिला चित्रकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत में महिला चित्रकारों को अधिक संघर्ष करना पड़ा। इसक एक कारण यह भी है कि आरम्भ से ही पुरूष चित्रकारों द्वारा कला सृजन किया जाता रहा है। जो अमृता शेरगिल के समान अनेक ऐसी महिला चित्रकार हैं जो बहुत पहले से कला साधना करती रही हैं जिनके योगदान का महत्व है उषा मंत्री बम्बई की कलाकार रही हैं जिनकी कृतियां लोक शैली की पद्धति पर आधुनिक भाव प्रकट करते रहे हैं। उषा मंत्री के चित्रों में नारी की विभिन्न निषादमयी स्थितियां बड़ी ही तीव्रता से उभरी हैं। आधुनिकता की ओर अग्रसर महिला चित्रकारों में नारी के स्वातन्त्रय की तड़प आरम्भ से ही दिखाई देता है।

महिला चित्रकारों ने परिस्थितियों और परिवेश से प्रभावित होकर कला की अभिनव धाराओं में सम्मिलित होकर भारतीय आधुनिक चित्रकला में नवीन सम्भावनाओं को महत्व दिया है। अगर हम चित्रकला के लोक शैलियों की ओर पीछे मुड़कर देखें तो इनके उद्भव और विकास दोनों में महिलाओं की विशेष भूमिका रही है। लोक परम्पराओं के संदर्भों आकारों और रंग विधान को आधुनिक कला में भी प्रश्रय मिलता रहा है।

भारतीय सामाजिक वातावरण में स्वतंत्रता के पश्चात् भी प्रगति की गति मन्द रही, जिससे आधुनिक और अर्वाचीन विचारों के मध्य संघर्ष चलता रहा है। द्रुतगति से शहरीकरण का विकास होने के कारण 19वीं सदी में आधुनिकीकरण के कारण भारतीय सामाजिक वातावरण में दोहरी मानसिकता से जीवन व्यतीत करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई और उसका सीधे तौर पर प्रभाव कलाकारों पर पड़ा। नारी की आजादी का सूत्रपात हुआ महिला कलाकारों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। समाज की विसंगति को आधुनिक दृष्टि से परखने की मानसिकता के आधार पर पाश्चात्य विचारधारा और भारतीय चिंतन को अपनी अभिव्यक्ति के लिए महत्व दिया है। विषय वस्तु विशेष तौर पर मनुष्य की जीजीविषा और उसके विडम्बनाओं पर आधारित दिखाई देते हैं।

महिला कलाकारों ने कल्पनाशीलता को अधिक महत्व दिया, क्योंकि जीवन के भोगे सत्य को अपनी संवेदना के साथ अभिव्यक्त किया। यह कहना अधिक सार्थक लगता है कि महिला चित्रकारों ने नारी के सामाजिक विसंगतियों को ही उजागर किया है। बल्कि यह कहना अधिक सार्थक लगता है कि सामाजिक परिवेश को आधुनिक चिन्तन प्रदान किया है। चित्रकार अमृता शेरगिल की आकृतियों में नारी प्रधानता है और जहां एक ओर अपने आदर्श और परम्पराओं में बंधी नारी का परिवेश है। वहीं–आधुनिकता की ओर अग्रसर उनका स्वनिर्मित व्यक्ति चित्र है।

महिला कलाकारों ने नारी को भावों की स्वतंत्रता प्रदान किया है। इसका तात्पर्य यह है कि नारी मात्र प्रयोग करने वाली वस्तु न होकर अपने स्वाभाविक नारी सुलभ चेष्टाओं को प्रदर्शित

करती है। कामुक चेष्टाओं में नारी की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को महत्व दिया गया। जो परोक्ष या अपरोक्ष रूप से आपैचारिक या अनौपचारिक रूप से समाज में नारी संघर्ष का आह्वान करती है। महिला चित्रकारों ने कभी–कभी अपने आन्तरिक संघर्ष को कृतियों के रूप प्रदर्शित किया है। आकारों में रंगो में जो व्यक्तिगत दृष्टिकोण है वह कहीं न कहीं से नारी और उसके चारों ओर के परिवेश का जकड़न है, ऐसा अनुभव किया जा सकता है। स्वदेशी चेतना को आधुनिक वातावरण में विदेशी तकनीकी प्रतिबद्धता के साथ प्रस्तुत करके महिला चित्रकारों ने अपने समसामयिक परिवेश में आधुनिक चित्रकला में भविष्य की सम्भावनाओं को जोड़ा है।

आधुनिक कला में नवीन सम्भावनाओं को व्यक्त करती कुछ महिला चित्रकारों के कार्यों की देखा जाय तो लगभग एक दशक तक कि एक समूह ने निरन्तर कार्य करते हुए अपने कला अभिव्यक्ति में मुहावरों को उभारा है और प्रान्तीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित किया है, जिनमें विजया बगाई, शोभा ब्रूटा, प्रभाशाह, सुरिन्दर, सुनीला बिन्द्रा, वसुन्धरा तिवारी कविता जायसवाल, श्रुति गुप्ता, अंजुमदवार, सुषमा बियानी के चित्रों में उनकी शैलीगत प्रतिबद्धता और संदर्भों के प्रति स्व की चेतना को परखा जा सकता है।

आधुनिक कला में निरन्तर होने वाले परिवर्तन के प्रति सचेत रहकर आधुनिक महिला चित्रकारों ने भारत ही नहीं बल्कि विश्व की आधुनिक कला में निरन्तर चलने वाली वैचारिक प्रक्रिया में नवीन सम्भावनाओं को जोड़ा है चित्रों में समसामयिक विचारों, प्राचीन–संदर्भों, भविष्य–की सचेतना–इन तीनों को साथ लेकर आधुनिक सामाजिक परिवेश और व्यक्तिगत मंथन की क्रियाशीलता को आधुनिक भावबोध के साथ प्रस्तुत करके महिला चित्रकारों ने आधुनिक कला जगत में नव विकासवाद को अपने संप्रेषण का माध्यम बनाया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Geeta Kapur-When was Modernism -P-400
2. Contemprary Art in India - Pran Nath Mago
3. Anis Farooqi - Indian Women Artist P - 3

Copyright © 2017, Dr. Sunita Sharma. This is an open access refereed article distributed under the creative common attribution license which permits unrestricted use, distribution and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.